

5-6-18

पञ्जावली आठ वीस कोर्ट हाऊस में पेश हुई।  
 पञ्जावली का सुवाकोकाश किया गया। आठ हाऊस  
 की संरक्षक में स्थित ग्रामि सं. नं. 370 रकबा 1.86 है।  
 की खाते दारी अति. नं. 1 - चण्डसिंह पुं का नाम  
 के नाम से दर्ज रिवाइ है। वारी अतिवादी नं. 1 - चण्डसिंह  
 का पुत्र है तथा बाद पत्र के परिशे काय न किया  
 है कि अतिवादी नं. 1 उक्त वर्जित ग्रामि को बेचान  
 करने पर कायादा है। हालांकि उक्त वर्जित  
 ग्रामि अति. नं. 1 की अथशुदा ग्रामि ही तथा वारी  
 के अनुसार सामुहिक आठ के अथ की गई है।  
 अगर अति. नं. 1 उक्त वर्जित ग्रामि को विक्रय  
 कर देता है तब तो वारी के हक हनुकों पर  
 जुदायादात होके की संभावना है। ऐसी स्थिति  
 में प्रस्तुत बाद पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया  
 जाना उचित व न्यायोचित प्रतीत होता है।

आदेश

बाद पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता  
 है तथा अतिवादी नं. 1 को परिशे स्वाई विधेवादा  
 के पावन्द किया जाता है कि वे आठ हाऊस के  
 ग्रामि सं. नं. 370 रकबा 1.86 है के किसी भाग  
 का बेचान नहीं करें तथा राजस्व रिवाइ की  
 तथा स्थिति काय में रखें।

पञ्जावली जसल शुगर डोकर नम्बर के नाम से  
 तथा बाद लक्ष्मील दारिबल फलत हो।

उपखण्ड अधिकारी  
 उदयपुरवादी (जसल)